पर्यावरण प्रदूषण

झुन्झुनूं शहर के संदर्भ में

नमूना • SAMPLE

नमूना • SAMPLE

पर्यावरण प्रदूषण

झुन्झुनूं शहर के संदर्भ में

डॉ. धर्मेन्द्र सिंह

नमूना • SAMPLE

अध्याय पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स
दिल्ली (भारत)

प्रकाशक

अध्याय पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स

हेड ऑफिस : ए–108, स्ट्रीट न0. 1/3,
कौशल पुरी, दिल्ली–110094 (भारत)

Phone : 9643620664, 8744955183
E-mail : adhyayapublishers@gmail.com,
adhyayapublishers@yahoo.com
Website : www.adhyayabooks.com

पर्यावरण प्रदूषण

झुन्झुनूं शहर के संदर्भ में

संस्करण : 2020

© लेखक

ISBN: 978-93-88688-06-2

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन के किसी भी हिस्से को प्रकाशक की पूर्व अनुमति के बिना इलेक्ट्रॉनिक या किसी अन्य माध्यम द्वारा पुनः प्राप्ति समेत किसी भी रूप में प्रतिलिपिकृत, अनुवादित, संगृहीत नहीं किया जा सकता है और न ही किसी भी रूप में या किसी भी माध्यम द्वारा इसे प्रसारित किया जा सकता है।

इस पुस्तक में लेखक द्वारा व्यक्त विचार उनके व्यक्तिगत हैं जिसका प्रकाशक से कोई संबंध नहीं है।

भारत में प्रकाशित

वीरेन्द्र कुमार यादव 'अध्याय पब्लिशर्स एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स' के द्वारा प्रकाशित। वी.एम. ग्राफिक, दिल्ली द्वारा कवर डिजाइन व शब्द संयोजन तथा आरना इंटरप्राइजेज, दिल्ली से मुद्रित।

SAMPLE

प्राक्कथन

शेखावाटी अंचल का प्राचीन शहर झुंझुनूं जो लगभग 7वीं सदी से आबाद है जो शिक्षा, सेठा शाहुकारी, उद्योगपतियों व हवेलियों के लिए प्रसिद्ध है जिस कारण न केवल इसके आकार में बल्कि जनसंख्या में समय के साथ लगातार वृद्धि हो रही है जिससे न केवल प्राकृतिक संसाधनों पर दबाब बढ़ रहा है। शहर के बढ़ते आकार व जनसंख्या के कारण भूमि परिवर्तन, विभिन्न उद्योगों की स्थापना बढ़ते परिवहन के साधनों के पर्यावरण में भारी मात्रा में परिवर्तन हो रहा है जिसके कारण विभिन्न प्रकार के प्रदूषक उत्पन्न होते है जो विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों को जन्म देते है।

झुंझुनूं शहर में बढ़ते परिवहन के साधनों व उद्योगों के कारण इनमें प्रयुक्त विभिन्न प्रकार के ईंधन के दहन के कारण विभिन्न प्रकार की विषैली गैसे शहर की स्वच्छ हवा में घुलकर उसे प्रदूषित कर रही है। इसी प्रकार से शहर के चारो और नई आवासिय कॉलोनियों के विकास से ईमारतों के निर्माण के कारण विभिन्न ईट–भट्टों का विकास तथा मोड़ा पहाड़ में स्थापित स्टोन क्रेशरों के कारण भी शहर में वायु प्रदूषण को बढ़ावा दे रहे है। झुंझुनूं शहर में घरों व औद्योगिक क्षेत्रों में नालियों व सीवरेज की समुचित व्यवस्था नही होने के कारण घरेलू अपशिष्ट तथा उद्योगों से निकलने वाले अपशिष्ट को खाली स्थानों पर निस्तारण तथा सीवरेज की अव्यवस्था के कारण न केवल जल प्रदूषण बल्कि मृदा प्रदूषण भी लगातार बढ़ रहा है। इसी तरह झुंझुनूं शहर में स्टोन कटींग उद्योगों, स्टोन क्रेशरों व रंगाई–छपाई के उद्योग अधिक होने के कारण इनके अपशिष्टों से मृदा व जल के कारण शहर में स्थित

SAMPLE

बिड (आरक्षित वन क्षेत्र) में सर्वाधिक मात्रा में जल व भूमि प्रदूषित हो रही है। झुंझुनूं शहर में कच्ची बस्तियों के अवैध निर्माण के कारण भी विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों को बढ़ावा मिल रहा है।

झुंझुनूं शहर में विभिन्न प्रकार के परिवहन के साधनों में जैसे भारी वाहनो, चौपहिया वाहनों, तिपहिया वाहनों व दूपहिया वाहनों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है तथा इन वाहनों में एक तिहाई वाहन पुराने अथवा इनका उचित रख–रखाव नही होता है। बढ़ते परिवहन के साधनों के कारण तथा औद्योगिक क्षेत्र में संचालित विभिन्न प्रकार की मशीनों, स्टोन क्रेशर मशीनों तथा शहर में संचालित मेलो, त्यौहारो, भीड़–भाड़, विज्ञापनों, सभाओं आदि में प्रयुक्त लाऊड स्पीकरों के कारण ध्वनि का स्तर भी बढ़ रहा है अर्थात् इन सभी साधनों अथवा कारको के कारण ध्वनि प्रदूषण भी अपना विकास के रथ पर सवार हो रहा है। इस प्रकार झुंझुनूं शहर में उद्योगों, परिवहन, बस्तियों, नालियों की अनियोजित व्यवस्था तथा प्रशासनिक कमियों के कारण शहर में विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों से खतरा उत्पन्न हो रहा है। यदि समय पर इसकी और ध्यान नही दिया गया है तो प्रदूषण की समस्या विकाल रूप धारण कर लेगी। बढ़ते विभिन्न प्रकार के प्रदूषणों के कारण मानव के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहे है यथा इनके प्रभाव से विभिन्न बीमारियां से श्वास से सम्बन्धित (एलर्जी, दमा, टीबी, फैफड़ो का कैंसर, सांस लेने में तकलीफ, गले में खरास) पेट से सम्बन्धित (पेचिश, दस्त, आंतो में कमजोरी, अल्सर, पेट का कैंसर, पीलिया), मानसिक रोग, अनिन्द्रा, मानसिक आघात, चिड़चिड़ापन, ह्दयघात, उच्च रक्तचाप, गर्भपात जैसी बीमारियों व समस्या उत्पन्न हो जाती है। जिससे मानव न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से कमजोर हो जाता है। अतः शहर में बढ़ते पर्यावरणीय प्रदूषण का समय रहते है। नियन्त्रितित करना होगा। जिससे शहरी गतिविधियां बिना किसी रूकावट के सुचारू रूप से संचालित होगी तथा शहर के निवासियों को स्वच्छ पर्यावरण उपलब्ध रहे।

डॉ. धर्मेन्द्र सिंह

आभार

मैं अपने पूजनीय ताऊजी स्वर्गीय श्री रघुवीर सिंह जिन्हें मैं अपना आदर्श मानता हूँ को अपनी शोध पुस्तक समर्पित करता हूँ, जिन्होंने मुझे बचपन से ही ईमानदारी से कार्य करते हुये उच्च अध्ययन के लिए प्रेरित करते रहते थे। वे स्वयं हमारे जिले के सर्वाधिक भाषाओं के जानकर होने के साथ–साथ उस समय (1970 के दशक में) दो विषयों में एम. ए. व एल. एल. बी. थे। उन्होंने ही मेरे व मेरे परिवार में सकारात्मक सोच उत्पन्न की, का भी आभारी हूँ।

मेरी परम आदरणीय माताजी व पिताजी का आभारी हूँ जिनके स्नेह, आर्शीवाद, प्रेरणा, प्रोत्साहन के कारण पल–पल मुझे शक्ति मिलती रही तथा मेरे पूजनीय पिताजी जो स्वयं शिक्षक से लेकर जिला शिक्षा अधिकारी का कठिन रास्ता तय किया है के अनुभव का मुझे भरपूर सहयोग मिलता रहा है। मैं आभारी हूँ मेरी जीवन सांगिनी कविता का जिन्होंने इस पुस्तक के दौरान पारिवारिक दायित्वों से मुझे मुक्त रखा व मेरी जिम्मेदारियों का स्वयं ने निर्वाह किया। मेरे बेटे रचित देव सिंह व जयस देव सिंह की मधुर मुस्कान व स्नेह के बल से ही पुस्तक को पूर्ण कर सका हूँ।

मैं आभारी हूँ मेरी बहन बबिता वर्मा, कुसुम सिंह, रूचिका सिंह का जिनका प्यार व स्नेह मेरे लिए प्रेरणा स्रोत बना। मेरे जीजाजी श्री विजय वर्मा मेरे बहनोई श्री सुनिल कुमार एवं डॉ. श्री प्रदीप कुमार तथा परिवार के अन्य सदस्यों एवं मित्रगणों ने मुझे पथ–पथ पर अपना

SAMPLE

प्रोत्साहन प्रदान किया तथा बल प्रदान करते रहे। मैं इनका दिल की गहराइयों से आभारी हूँ।

डॉ. धर्मेन्द्र सिंह

नमूना • SAMPLE

विषय–सूची

	प्राक्कथन	*v*
	आभार	*vii*
1.	शहर की ऐतिहासिक, भौगोलिक पृष्ठभूमि	1
2.	पर्यावरण प्रदूषण का सामान्य परिचय	46
3.	औद्योगिक विकास जनित पर्यावरण प्रदूषण	98
4.	यातायात के साधनों द्वारा पर्यावरण प्रदूषण	121
5.	पर्यावरण प्रदूषण के अन्य कारक	137
6.	प्रदूषकों के अनुसार शहर का वर्गीकरण	168
7.	पर्यावरण प्रदूषण से होने वाली समस्याएं	208
8.	पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के उपाय	233
	Bibliography & Reference	253

नमूना · SAMPLE